हर इंसान-एक समान   एक राष्ट्र-एक जान   मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in   Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन
संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अशोक कुमार सिंह
संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा
संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
कैलाश राजपुरोहित
मो. 8963095311

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक 54815   दिनांक : 07.01.2021

आदरनीया श्रीमती निर्मला सीतारमण,
वित्तमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

विषयः— बजट पूर्व सुझाव।
संदर्भः— महिला सशक्तिकरण हेतु "घरेलू श्रम" को "ओद्योगिक श्रम" मानकर भुगतान के लिए हमारा पूर्व ज्ञापन कमांक 1025—1813 दिनांक 27.05.16

महोदया,

आदर पूर्वक निवेदन है कि हमारी संस्थान के महिला प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 27.05.2016 को एक ज्ञापन भेजा गया था जिसका विषय था, " महिला सशक्तिकरण एंवं भारतीय संस्कृति की रक्षार्थ घरेलू श्रम का भुगतान शुरू किया जावे। जिसे "मातृशक्ति सबलीकरण योजना" के नाम से शुरू करें। " इस ज्ञापन की एक प्रति संलग्न है।

आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि कृपया उपरोक्त ज्ञापन पर देशहित और महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यवाही करते हुये आगामी बजट में समुचित प्रावधान करने की कृपा करें। इस समय देश की वित्तमंत्री एक विद्वान महिला हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि माननीय तपस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आदरणीय वित्तमंत्री महोदया "मातृशक्ति सबलीकरण योजना" को जरूर मूर्तरूप देंगी।

सादर,

भवदीय,

(पाराशर नारायण शर्मा)
अध्यक्ष

संलग्नः— उक्तानुसार

प्रतिलिपिः— सभी सम्मानीय लोकसभा/राज्यसभा सांसदों को प्रेषित कर अनुरोध है कि देशहित और महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यवाही करते हुये आगामी बजट में समुचित प्रावधान करवाने की कृपा करे।

(पाराशर नारायण शर्मा)
अध्यक्ष

महिला प्रकोष्ठ

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर , जयपुर
Website:www.samtaandolan.in Email :samtaandolan@yahoo.in

पाराशर नारायण शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष (पदेन संरक्षक)

रामनिरंजन गौड़
प्रदेश महासचिव (पदेन संरक्षक)

ललित चाचाण
प्रदेश कोषाध्यक्ष (पदेन संरक्षक)

श्रीमती अमला बत्तरा
संरक्षक
मो. 9829068425

रमा धरेन्द्र
प्रदेशाध्यक्ष
मो. 9829212561

बेला खुराना
महासचिव
मो. 9529982748

सुलेखा सिंह
कोषाध्यक्ष
मो. 9461600241

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं
पदेन सम्भागीय अध्यक्ष

अजमेर :
किरन मेहरा
मो. 9214519819

बीकानेर :
संतोष शर्मा
मो. 9414968549

भरतपुर :
अर्चना बंसल
मो. 9414303729

जयपुर :
नन्दिनी पंजनानी
मो. 9413677896

जोधपुर :
मन्जू शर्मा
मो. 9413165139

कोटा :
श्रृदा रायजादा
मो. 9413349973

उदयपुर:
ममता दशोरा
मो. 9829585577

क्रमांक 1025–1813 दिनांक : 27.05.2016

श्रीमान नरेन्द्र मोदी साहेब,
माननीय प्रधानमंत्री महोदय,
भारत सरकार, नई दिल्ली ।

विषयः– महिला सशक्तिकरण एवं भारतीय संस्कृति की रक्षार्थ घरेलु श्रम का भुगतान शुरू किया जावें। जिसे "मातृशक्ति सबलीकरण योजना" के नाम से शुरू करें।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि भारतीय संस्कृति की सुरक्षा एवं पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में उन करोड़ों महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है जो घर में रहकर भारत के नौनिहालों का लालन–पालन करती है, उन्हें भारतीय संस्कृति के संस्कार देती हैं, शिक्षा देती है, सुरक्षा व आत्मविश्वास देती है, पारिवारिक इकाई को बनाये रखती है। इसी तरह वे घरेलू महिलाएँ देश के आर्थिक, सामाजिक व सामरिक विकास में भागीदार पुरूषों को भोजन बनाकर खिलाती है, बीमारी में उनकी सार–सम्भाल करती हैं, उनकी कार्यक्षमता को बनाये रखती हैं तथा उन्हें रोजाना तरोताजा और नयी स्फूर्ति के साथ उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर बढने को प्रेरित करती हैं ताकि पूरा देश आगे बढता रहे। ऐसे अनगिनत कार्य हैं जो घरेलू महिलाएँ 24 घण्टे x 365दिन बिना किसी अवकाश एवं पारिश्रमिक के लगातार हजारों वर्षों से करती आ रही हैं। भारतीय सामाजिक व्यवस्था में से यदि घरेलू महिलाओं को अलग कर दिया जावें तो पूरे देश की कार्यक्षमता और जीडीपी आधी रह जायेगी।

पूरे देश की अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था की इस अतिमहत्वपूर्ण धूरी को जीवन पर्यन्त समर्पण, परिश्रम, त्याग व बलिदान के बदले केवल भुलावे के शब्द, आश्रिता और अबला बनाये रखने के षड़यंत्र, सामाजिक/घरेलू अपमान तथा दैनिक मानसिक/शारिरिक प्रताड़ना ही पुरष्कार में मिलती है। क्या केवल घरेलू हिंसा कानून के ही बल पर महिला सशक्तिकरण सम्भव है ? जब तक भारतीय नारी को आर्थिक रूप से समर्थ नहीं बनाया जाता तब तक नारी सम्मान, महिला सशक्तिकरण, अबला सुरक्षा आदि सभी प्रोजेक्ट केवल जुमले मात्र हैं।

हमें आपसे बेहद उम्मीद है। आप हमारे देश के प्रतिष्ठित और तपस्वी राष्ट्रवादी नेता हैं और आप इस देश के प्रत्येक पीड़ित और कमजोर वर्ग को सबल, सशक्त और गरिमा पूर्ण जीवन जीने का हक देना चाहते है तो कृपयाः–

घरेलू श्रम को मान्यता देवें। घर की गृहिणियों को उनके श्रम के बदले पारिश्रमिक देना शुरू करें।

यह पारिश्रमिक तय करने के लिए महिला की शिक्षा, परिवार के स्तर या घर के मुख्यकर्ता की आय को आधार बनाया जा सकता है। शुरू में हमारा सुझाव है कि पति अथवा मुख्यकर्ता की आय का 20 % तय करके सरकार द्वारा घर की गृहिणी के बैंक खाते में सीधे जमा कराया जावे।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भारत सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम तत्काल उठायेगी और भारत की आधी आबादी को सम्मान व सम्बल प्रदान करने वाली पहली सरकार बनेगी। तत्काल कार्यवाही हेतु धन्यवाद। सादर,

भवदीया,

(रमा धरेन्द्र)
अध्यक्ष

प्रतिलिपिः–श्रीमान/श्रीमती/सुश्री ———————— सांसद राज्यसभा/लोकसभा को प्रेषित कर करबद्ध प्रार्थना है कि आप इस देश के कर्णधार हैं तथा देश की आधी आबादी के कल्याण के लिय आगे आकर सरकार को प्रेरित कर अनुगृहित करें। धन्यवाद। सादर,

अध्यक्ष